

सामाजिक कार्य में सामाजिक समूह

- अर्थ • प्रकार • विशेषताएँ • महत्त्व • समूह कार्य की तकनीकें



सामाजिक समूह का अर्थ

- दो या अधिक व्यक्तियों का समूह जो समान उद्देश्य और भूमिका साझा करते हैं।
- सामाजिक कार्य में समूह व्यक्तियों के विकास और समस्या समाधान का एक माध्यम है।



सामाजिक समूह की विशेषताएँ

- • दो या अधिक सदस्य
- • पारस्परिक संपर्क
- • सामूहिक उद्देश्य
- • समूह नियम
- • समूह एकता (Cohesion)
- • भूमिकाओं का बंटवारा



सामाजिक कार्य में समूह कार्य

- समूह कार्य सामाजिक कार्य की एक विशिष्ट पद्धति है।
- इसमें समूह की सहायता से व्यक्तियों के सामाजिक और भावनात्मक विकास को बढ़ावा दिया जाता है।



समूह कार्य के उद्देश्य

- • आत्मविश्वास का विकास
- • सामाजिक समायोजन
- • नेतृत्व क्षमता
- • ज्ञान और कौशल विकास
- • सामूहिक समस्या समाधान



समूह के प्रकार

- • प्राथमिक समूह – परिवार, मित्र समूह
- • द्वितीयक समूह – विद्यालय, क्लब
- • औपचारिक समूह – संगठन
- • अनौपचारिक समूह – मित्र मंडली
- • उपचारात्मक समूह
- • विकासात्मक समूह



समूह कार्य की प्रक्रिया

- 1. समूह गठन (Forming)
- 2. लक्ष्य निर्धारण
- 3. नियम और भूमिकाएँ तय करना
- 4. कार्य चरण (Working Phase)
- 5. मूल्यांकन
- 6. समाप्ति (Termination)



समूह गठन

- • लक्ष्य के आधार पर समूह चयन
- • सदस्यों की पहचान
- • नियम और भूमिकाएँ निर्धारित करना
- • सहभागिता बढ़ाना



समूह कार्यकर्ता की भूमिका

- • मार्गदर्शक
- • प्रोत्साहक
- • नियंत्रक
- • मध्यस्थ
- • सलाहकार
- • नेतृत्वकर्ता



समूह कार्य की तकनीकें

- • चर्चा (Discussion)
- • भूमिका अभिनय (Role Play)
- • ब्रेनस्टॉर्मिंग
- • समस्या समाधान गतिविधियाँ
- • कहानी-वाचन
- • समूह खेल



समूह गतिकी (Group Dynamics)

- समूह में संचार, नेतृत्व, संघर्ष, शक्ति, सहयोग आदि की प्रक्रिया।
- समूह की प्रभावशीलता इन्हीं गतिकीय तत्त्वों पर निर्भर करती है।



समूह नेतृत्त्व

- • नेतृत्त्व समूह की दिशा तय करता है।
- • प्रेरणा देता है और निर्णय लेने में सहायता करता है।
- • संघर्ष प्रबंधन और सामूहिक सहयोग को बढ़ावा देता है।



समूह कार्य का महत्त्व

- • सामाजिक कौशल में वृद्धि
- • आत्मविश्वास विकसित करना
- • समस्या समाधान क्षमता
- • समूह सहयोग
- • सामाजिक जिम्मेदारी का विकास



निष्कर्ष

- सामाजिक कार्य में समूह कार्य एक मजबूत और प्रभावी पद्धति है।
- यह व्यक्तियों को सामाजिक रूप से सक्षम, आत्मनिर्भर और मूल्यवान बनाता है।

